कच्चे तेल के मूल्यों में कमी

*28. **श्री रणजीत सिंह :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चालू वर्ष के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्यों में कमी हुई है;

(ख) यदि हां, तो दिसम्बर, 1991 से जनवरी, 1992 के बीच अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का औसत मूल कितना था ;

(ग) क्या सरकार ने मूल्यों में कमी का लाभ उपभोक्ताओं को दिये जाने के बारे में कोई निर्णय लिया है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव दोनों ही नीचे और ऊपर की ओर हुआ ।

(ख) दुबई क्रूड के लिये औसत प्रकाशित स्थल मूल्य, दिसम्बर, 1991 के दौरान 15.22 अमेरिकी डालर प्रति बैरल और जनवरी, 1992 के दौरान 15.30 अमेरिकी डालर प्रति बैरल था ।

(ग) और (घ) पेट्रोलियम उत्पादों का मूल्य विभिन्न घटकों को ध्यान में रखकर समय-समय पर निर्धारित किया जाता है और उनमें परिवर्तन केवल अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतों में परिवर्तन के आधार पर नहीं किया जाता है ।

कच्चे तेल के उत्पादन में कमी

*29. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कच्चे तेल के घरेलू उत्पादन में कमी आ रही है ;

(ख) यदि हां, तो चालू वित्तीय वर्ष के दौरान इस प्रकार का कितना उत्पादन होने का अनुमान है; और अप्रैल, 1991 तक देश में कितनी मात्रा में कच्चे तेल के भंडार उपलब्ध थे;

(ग) 1988-89, 1989-90 और 1990-91 के वर्षों के दौरान अलग-अलग कच्चे तेल का घरेलू उत्पादन कितन-कितना हुआ;

(घ) क्या सरकार ने कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के लिये कोई कार्यवाही की है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ङ) वर्ष 1988-89, 1989-90 और 1990-91 के दौरान कच्चे तेल का उत्पादन क्रमश: 32.06, 34.69 और 33.00 मिलियन टन था । अब निर्धारित वर्ष 1991-92 का लक्ष्यांकित उत्पादन 31.8 मिलियन टन का है । शेष वसूली योग्य भंडार लगभग 800 मि० टन का है । कई तेल क्षेत्र विकास परियोजनाओं को हाथ में लिया गया है ताकि देश में ही कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि की जा सके ।

Protection of Ozone Layer

*30. SHRI SURENDRA SINGH THAKUR: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state: